भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3397
दिनांक 07 अगस्त, 2026 को उत्तर के लिए

कोल्हापुर में आंगनवाड़ी केन्द्र संबंधी अवसंरचना

3397. **श्री शाहू शहाजी छत्रपतीः**

क्या **महिला और बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) कोल्हापुर जिले में तालुका-वार सक्षम आंगनवाड़ी के तहत स्वीकृत, चालू और उन्नत किए गए आंगनवाड़ी केंद्रों (एडब्ल्यूसी) की संख्या कितनी है और उनमें नियमित रूप से आने वाले बच्चों और कार्यरत कार्यकर्ताओं का ब्यौरा क्या है;
(ख) राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-पांच (एनएफएचएस-पांच) के आधार बिन्दु की तुलना में वर्ष 2022-26 के दौरान पोषण अभियान के तहत कोल्हापुर में बौनापन, वृद्धिरोध, कम वजन और एनीमिया कम करने में प्राप्त उपलब्धि का तालुका-वार ब्यौरा क्या है; और
(ग) वर्ष 2023-26 के दौरान कोल्हापुर जिले में वन स्टॉप सेंटर और महिला हेल्पलाइन 181 में दर्ज मामलों की संख्या, प्रदान की गई सेवाओं और प्राप्त परिणामों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री
(श्रीमती सावित्री ठाकुर)

(क)और(ख): जिलेवार स्वीकृत और कार्यशील आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या, आंगनवाड़ी केंद्रों (एडब्ल्यूसी) में आने वाले बच्चों की संख्या, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों की संख्या तथा बच्चों (0–5 वर्ष) में कुपोषण के संकेतक (बौनापन, वृद्धिरोध और कम वजन) और पोषण

ट्रैकर पर पंजीकृत लाभार्थियों की पोषण स्थिति लिंक https://www.poshantracker.in/statistics पर उपलब्ध है।
कोल्हापुर जिले में कुल 526 आंगनवाड़ी केंद्रों को सक्षम आंगनवाड़ी में उन्नयन के लिए स्वीकृति दी की गई है।

(ग) : महिलाओं के लिए वन स्टॉप सेंटर (ओएससी) योजना दिनांक 01 अप्रैल, 2015 से क्रियान्वित की जा रही है। यह देशभर में निजी और सार्वजनिक दोनों स्थानों पर हिंसा से प्रभावित और संकटग्रस्त महिलाओं को एक ही स्थान पर एकीकृत तथा तत्काल सहायता एवं सहयोग प्रदान करता है। वर्तमान में, देशभर में 991 वन स्टॉप सेंटरों को कार्यशील बनाया गया है और इनकी स्थापना अर्थात दिनांक 1 अप्रैल, 2015 से 30 जून, 2026 तक वन स्टॉप सेंटरों के माध्यम से 15.20 लाख से अधिक महिलाओं को सहायता प्रदान की गई है। इन सेवाओं में चिकित्सा सहायता, कानूनी सहायता एवं परामर्श, अस्थायी आश्रय, पुलिस सहायता तथा मनोसामाजिक परामर्श शामिल हैं। वर्तमान में, कोल्हापुर जिले में 02 वन स्टॉप सेंटर सहित महाराष्ट्र राज्य में 68 वन स्टॉप सेंटर कार्यशील हैं।

पिछले तीन वर्षों अर्थात वर्ष 2023-24 से 2025-26 के दौरान, महाराष्ट्र राज्य में वन स्टॉप सेंटरों के माध्यम से 26,019 से अधिक महिलाओं को सहायता प्रदान की गई है।

महिला हेल्पलाइन (181) आपातकालीन तथा गैर-आपातकालीन दोनों परिस्थितियों में महिलाओं को सहायता प्रदान करने के लिए 24 घंटे टोल-फ्री दूरसंचार सेवाएँ उपलब्ध कराती है। इसकी स्थापना अर्थात 1 अप्रैल, 2015 से 30 जून, 2026 तक, देशभर में महिला हेल्पलाइन के माध्यम से 1.04 करोड़ से अधिक महिलाओं को सहायता प्रदान की गई है। पिछले तीन वर्षों अर्थात वर्ष 2023-24 से 2025-26 के दौरान, महाराष्ट्र राज्य में महिला हेल्पलाइन के माध्यम से 3.55 लाख से अधिक महिलाओं को सहायता प्रदान की गई है।

*****